अनुमोदित
2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – समाजकार्य (एम.एस.डब्ल्यू.)

संकाय – कला

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय

म0प्र0 भोज (मुक्त) वि.वि. परिसर, कोलार मार्ग, भोपाल 462016 (म0प्र0)

दूरभाष : 0755–2491039, अणुडाक : इईनण्बंकंउल / हउंपसण्बवउ

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम संरचना एवं मूल्यांकन पद्धति
(चयन आधारित क्रेडिट पद्धति)
विषय : समाजकार्य (एम.एस.डब्ल्यू.)
नियम एवं पाठ्यक्रम
सत्र 2016–17

1. पाठ्यक्रम का उद्देश्यः–

1. विद्यार्थियों को समाज कार्य व्यवसाय से परिचित करवाना।
2. समाज कार्य का सार्वजनिक व निजी उपकर्मों में क्या महत्व है उससे परिचय करवाना।
3. समय–समय पर समाज में होने वाले परिवर्तनों को समझाना।
4. समाज कार्य का समाज पर होने वाले प्रभाव को समझना।
5. समाज कार्य के विभिन्न क्षेत्रों को समझना।

2. प्रवेश के लिए योग्यता

1. किसी भी विषय में स्नातक की परीक्षा न्यूनतम द्वितीय श्रेणी के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रवेश ले सकेगा। मध्यप्रदेश शासन के आरक्षण नियमों का पालन किया जाएगा।

3. स्नातकोत्तर उपाधि

1. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर का होगा।
2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कम से कम 4 सेमेस्टर एवं अधिकतम 6 सेमेस्टर में पूर्ण करना होगा।
3. प्रथम,द्वितीय एवम् तृतीय सेमेस्टर में चार प्रश्न–पत्र होंगे एवम् चतुर्थ सेमेस्टर में 3 प्रश्न–पत्र होंगे।
4. गैर प्रायोगिक विषयों के प्रश्नपत्र 5 क्रेडिट के होंगे एवम् प्रायोगिक विषयों के प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट के होंगे।
5. प्रायोगिक विषयों के प्रथम,द्वितीय एवम् तृतीय सेमेस्टर में 2–2 क्रेडिट के दो प्रायोगिक प्रश्नपत्र होंगे एवं चतुर्थ सेमेस्टर में 3 क्रेडिट का एक प्रायोगिक प्रश्नपत्र होगा।
6. चतुर्थ सेमेस्टर में 5 क्रेडिट का एक परियोजना कार्य पूर्ण करना होगा।
7. स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के लिये 80 क्रेडिट का पाठ्यक्रम पूर्ण करना होगा।

4. क्रेडिट का आवंटन सारणी – 1

सेमेस्टर / प्रश्नपत्र	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	योग
प्रथम	5	5	5	5	20
द्वितीय	5	5	5	5	20
तृतीय	5	5	5	5	20
चतुर्थ	5	5	5	–	15
परियोजना कार्य	–	–	–	5	5
योग	20	20	20	20	80

5. सैद्धांतिक प्रश्नपत्र की संरचना

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों ''अ'',''ब'' एवं ''स'' में विभक्त होगा।

1º खण्ड ''अ'' में 2–2 अंक के 5 आंतरिक विकल्प के साथ लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे। (अधिकतम 50 शब्द)

2º खण्ड ''ब'' में 4–4 अंक के 5 आंतरिक विकल्प के साथ मध्यम उत्तरीय प्रश्न होंगे। (अधिकतम 150 शब्द)

3º खण्ड ''स'' में 8–8 अंक के 5 आंतरिक विकल्प के साथ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। (अधिकतम 400 शब्द)

इस प्रकार बाह्य मूल्यांकन के प्रश्नपत्र में अंको का विभाजन निम्नानुसार होगा–

सारणी – 2

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
अ	10	1	10
ब	5	3	15
स	5	9	45
योग			70

6. सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के अंको का विभाजन निम्नानुसार होगा–

सारणी – 3

आन्तिरिक मूल्यांकन	बाहय मूल्यांकन	कुल अंक
30	70	100

मूल्यांकन विधि

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम एक निश्चित क्रेडिट का है। क्रेडिट्स विभिन्न पाठ्यक्रमों के महत्व को दर्शाता है। निश्चित क्रेडिट संख्या के साथ विद्यार्थी द्वारा अर्जित ग्रेड प्वाइंट विद्यार्थी की उपलब्धियों का मापन है।

विद्यार्थी का मूल्यांकन उनके द्वारा अर्जित अंक, ग्रेड प्वाइंट, ग्रेड एवम् श्रेणी को ग्रेडिंग पद्धति द्वारा 10 बिन्दु स्केल पर दर्शाया जाएगा। इसमें अधिकतम संभव 9 प्वाइंट में से विद्यार्थी ग्रेड प्वाइंट अर्जित करेगा।

नीचे सारणी में दर्शाये अनुसार ग्रेड पद्धति प्रत्येक पाठ्यक्रम में लागू होगी –

अंक	ग्रेड प्वाइंट
75–100	8.16–9.0
65–74	6.50–8.15
60–64	5.66–6.49
55–59	4.83–5.65
40–54	4.00–4.82
0–39	0–3.99

विद्यार्थी द्वारा सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर उसके द्वारा अर्जित संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (ब्लच।) के आधार पर निम्नानुसार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जायेगा –

ब्लच।	लेटर ग्रेड	श्रेणी
8.5–9.00	.।	उच्च प्रथम श्रेणी
7.50–8.49	।	मध्यम प्रथम श्रेणी
6.50–7.49	।.	निम्न प्रथम श्रेणी
5.50–6.49	ठ़	उच्च द्वितीय श्रेणी
4.50–5.49	ठ	मध्यम द्वितीय श्रेणी
4.0–4.49	ठ.	निम्न द्वितीय श्रेणी
0–3.99	ट	अनुत्तीर्ण

P. Dixit

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
विषय – समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य की भारतीय परंपरा
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य व्यवसाय का परिचय–प्रथम
तृतीय प्रश्न पत्र	–	मानव, समाज एवं मानव व्यवहार की गत्यात्मकता–प्रथम
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य की पद्धति एवं क्षेत्र–प्रथम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य व्यवसाय का परिचय–द्वितीय
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	मानव, समाज एवं मानव व्यवहार की गत्यात्मकता–द्वितीय
तृतीय प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य की पद्धतियां एवं क्षेत्र–द्वितीय
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य शोध एवं सांख्यिकी

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र	–	समाज कार्य में कम्प्यूटर का उपयोग–प्रथम
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक विकास–प्रथम
तृतीय प्रश्न पत्र	–	नगरीय सामुदायिक विकास–प्रथम
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	ग्रामीण समुदाय तथा प्रजातांत्रिक विकेन्द्रीकरण–प्रथम

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र	–	सामुदायिक संगठन तथा सामाजिक विकास–द्वितीय
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	नगरीय सामुदायिक विकास–द्वितीय
तृतीय प्रश्न पत्र	–	ग्रामीण समुदाय तथा प्रजातान्त्रिक विकेन्द्रीकरण–द्वितीय

A. Dixit

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू)

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – समाज कार्य व्यवसाय का परिचय–द्वितीय

अधिकतम अंक – 100 5 क्रेडिट उर्त्तीणांक – 40
(आंतरिक मूल्यांकन – 30)
(बाह्य मूल्यांकन – 70)

आवश्यकता : क्योंकि विगत दो सौ वर्षो से भारत पर ब्रिटिश सत्ता का आधिपत्य रहा और वर्तमान में भी उसी की छाया सत्ता प्रतिष्ठान पर परिलक्षित होती रही है। इसलिये भारत में समाजकार्य की प्रकृति भी व्यवसायिक प्रकार की हो चुकी है, इसलिये विद्यार्थी को भारतीय संस्कृति के समाज कार्य के अध्ययन की आवश्कता महसूस होती है।

उद्देश्य :

1. विद्यार्थी को आधुनिक समय में समाजकार्य की उत्पति व विकास से परिचित कराना।
2. समाजकार्य का सार्वजनिक व निजी उपक्रमों में क्या महत्व है, उससे परिचय करवाना।
3. समाजकार्य के व्यावसायिक स्वरूप से विद्यार्थी को परिचित कराना।

इकाई प्रथम : समाज कार्य की वैचारिकीः–
सामाजिक परिवर्तन का पश्चिमी इतिहास तथा वैचारिकी–मध्यकाल जूड़ा इसाई वैचारिकी, लौकिक मानववाद, उपयोगितावाद तथा समाजवाद, उदारीकरण तथा वैश्वीकरण, मानवतावाद तथा परोपकार।

इकाई द्वितीय :

1. समाज कार्यकर्ता के व्यक्तिगत गुण तथा समाज कार्यकर्ता हेतु मार्गदर्शन।
2. सामाजिकनीति, सामाजिक सुधार, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक विधान।

इकाई तृतीय : समाज कार्य क्षेत्र अभ्यासः–

1. समाज कार्य क्षेत्र अभ्यास की अवधारणा।
2. समाज कार्य पर्यवेक्षणः– प्रारूप तथा पद्धतियाँ।
3. समाज कार्य क्षेत्र अभ्यास में प्रतिवेदन निर्माण।

इकाई चतुर्थ :

1. भारत में सामाजिक विकास– अवधारणा, विशेषताएं तथा सूचक, रणनीतियां तथा उपागम, सामाजिक– आर्थिक विकास, विकास की गांधीवादी अवधारणा।
2. सामाजिक विकास नियोजन की अवधारणा तथा उपागम, भारत में समाज कल्याण हेतु नियोजन, भारत में पंचवर्षीय योजनाएं, सामाजिक नियोजन के अभिकर्ता।

P. Dixit

इकाई पंचम : सामाजिक विधान एवं संविधानः–

1. उद्देश्य तथा प्रमुख विशेषताएं–
   - क. हिंदू विवाह अधिनियम 1955
   - ख. विशेष विवाह अधिनियम 1954
   - ग. दहेज (निषेध) अधिनियम 1961
   - घ. बाल विवाह (रोकथाम) अधिनियम 1929
   - ड. हिंदू दत्तक एवं भरण–पोषण अधिनियम 1956
   - च. बाल श्रम (निषेध एवं नियामक) अधिनियम 1986
   - छ. बाल अपराध न्यास अधिनियम 2000
   - ज. अनैतिक व्यापार निरोधक अधिनियम
   - झ. निःशक्तजन अधिनियम 1995
   - ञ. गर्भपात तथा भ्रूणहत्या कानून

महत्व : इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी समाजकार्य के व्यवसायिक स्वरूप के महत्व को समझने में सफल हो सकेगा।

संदर्भ पुस्तकें :–

1. समाज कार्य – ओजस्कर–तेजस्कर पाण्डे
2. समाज कार्य – राजाराम शास्त्री
3. समाज कार्य – जी.आर. मदन
4. समाज कल्याण प्रशासन – सचदेवा
5. समाज कल्याण प्रशासन – कुकरेती
6. समाज कल्याण प्रशासन – सुरेन्द कटारिया

A. Dixit

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू)

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र – मानव, समाज एवं मानव व्यवहार की गत्यात्मकता–द्वितीय

अधिकतम अंक – 100 5 क्रेडिट उर्त्तीणांक – 40

(आंतरिक मूल्यांकन – 30)

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

आवश्यकता : परिवर्तन प्रकृति का स्वभाव है, उसी के अनुरूप मानव का स्वभाव भी परिवर्तित होता रहता है इसलिये इस प्रश्नपत्र के माध्यम से मानव समाज और उसकी गत्यात्मकता को समझने की आवश्यकता है।

उद्देश्य

1. इस प्रश्नपत्र के माध्यम से समाज की उत्पत्ति को समझना।
2. समय – समय पर समाज में जो परिवर्तन होते रहे हैं, उन्हें समझना।
3. समाज में प्रचलित परंपरागत और आधुनिक विचारों में समन्वय स्थापित करना।

इकाई प्रथम :

1. सामाजिक संरचना की अवधारणा, सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा। सामाजिक नियंत्रण– अवधारणा, सामाजिक नियंत्रण– अवधारणा तथा अभिकर्ता।
2. संस्कृति अर्थ तथा अर्न्तवस्तु– परंपराएं, प्रथाएं तथा मूल्य, आदर्श, जनरीति एवं लोकाचार।

इकाई द्वितीय :

1. सामाजिक संस्थाओं के प्रकार – विवाह, जाति, परिवार, धर्म राज्य तथा संपत्ति।
2. शक्ति एवं सत्ता अवधारणा तथा प्रकार।
3. विवाह एवं परिवार की समस्याएं – तलाक, परित्याग, दहेज तथा पारिवारिक संघर्ष, पारिवारिक व व्यक्तिगत विघटन।

इकाई तृतीय : समाजिक समास्याएंः–

1. सामाजिक विचलन की समस्याएं – अपराध, बाल अपराध, भिक्षावृत्ति, मादक दृव्य, व्यवसन एवं एड्स।
2. संरचनात्मक परिवर्तन की समस्याएं – जातिवाद, सम्प्रदायवाद, युवा असंतोष तथा क्षेत्रवाद।
3. औद्योगीकरण एवं नगरीकरण की समस्याएं – गंदी बस्तियों की वृद्धि; भारत में नगरीय वृद्धि तथा परिमाण।
4. सामाजिक व्यवस्था की समस्याएं – निरक्षरता, बेरोजगारी, गरीबी तथ कुपोषण, पिछड़ापन तथा पदच्युत।

P. DIXIT

इकाई चतुर्थ–

1. व्यक्तित्व– अवधारणा, संरचना तथा व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक।
2. तनाव प्रबंधन।
3. संवेगलब्धि (म्ळ) की अवधारणा।

इकाई पंचम–

1. अक्रामकता – प्रकृति, कारण तथा नियंत्रण।
2. समूह– प्रकृति व प्रकार्य, समूहों द्वारा निर्णय निर्माण।

महत्व : इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी समाज की आदि अवस्था से वर्तमान अवस्था को समझने में सफल हो सकेगा।

संदर्भ पुस्तकें :–

1. भारत में समाजशास्त्र का क्षेत्र – सुरेन्द्र सिंह
2. समाजशास्त्र – जी.के. अग्रवाल
3. समाजशास्त्र – गुप्ता एवं शर्मा
4. भारतीय ग्रामीण समाजशास्त्र – गुप्ता एवं शर्मा
5. समाजशास्त्र – रविन्द्रनाथ मुखर्जी
6. सामाजिक मनोविज्ञान – रविन्द्रनाथ मुखर्जी

P.Dixit

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू)

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र – समाज कार्य की पद्धतियां एवं क्षेत्र– द्वितीय

अधिकतम अंक – **100** | **5 क्रेडिट** | उर्त्तीणांक – **40**

(आंतरिक मूल्यांकन – **30**)
(बाह्य मूल्यांकन – **70**)

आवश्यकता : समाजकार्य एक अनुशासन के रूप में नव विकसित विद्या है। इस विद्या के क्षेत्र और पद्धति को समझने की महती आवश्यकता है।

उद्देश्य :

1. समाजकार्य के पद्धति को समझना।
2. समाजकार्य के क्षेत्रो को समझना।
3. समाजकार्य का अन्य अनुशासनों के अन्तः संबंध को समझना।

इकाई प्रथम : व्यक्तियों तथा परिवारों के साथ समाज कार्य

1. समाज व्यवस्था को समझना सिद्धांत तथा उपागम।
2. व्यक्तिगत कार्य उपकरण साक्षात्कार, गृह भेंट, अवलोकन श्रावण।
3. समाजिक व्यक्तिगत कार्य में आलेखन।
4. समाजिक व्यक्तिगत कार्य की प्रविधियां – समर्थन, पुष्टिकरण विधि, संसाधन वृद्धि तथा परामर्श

इकाई द्वितीय : समूहों का समाजकार्य

1. व्यवहारात्मक सामाजिक समूह कार्य।
2. सामाजिक समूह कार्य का क्षेत्र तथा ऐतिहासिक उदविकास।
3. सामाजिक समूह कार्य के मूल्य तथा सिद्धांत।
4. समूह कार्य समाज कार्य की पद्धति के रूप में।
5. समाज समूह कार्य की अभ्यास की अवस्थाएं।
6. समूह कार्य आलेखन/प्रतिवेदन।

इकाई तृतीय :

1. सामुदायिक संगठन अभ्यास में मानव अधिकारों को समझना।
2. सामुदायिक संगठन से संबंधित शक्ति की अवधारणा तथा आयाम।
3. सामुदायिक विकास में सामाजिक उद्देश्य।
4. विकास के संघटक एवं रणनीति।
5. विकेन्द्रीकरण तथा पंचायती राज।

P. Dixit

इकाई चतुर्थ :

1. वित्तीय संसाधन, संगठन बजट, वित्त के स्रोत निधि, एकत्रीकरण, आलेख तथा लेखा परीक्षा।
2. परियोजना प्रस्ताव का निर्माण, कियान्वयन, प्रबोधन (मॉनीटरिंग) तथा मूल्यांकन।
3. कार्यक्रम प्रबंधन– दीर्घावधि, लघुअवधि, आलेखन।

इकाई पंचम :

1. समाज कार्य के शिक्षण संस्थान।
2. आपदा प्रबंधन।
3. स्वास्थ्य एवं मनोचिकित्सा सेवाएं।
4. सुधारात्मक सेवायें।

महत्व : इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी समाजकार्य से गहन रूप से परिचित हो सकेगें तथा समाजकार्य के विभिन्न पद्धतियों से भी अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ पुस्तकें :–

1. सामाजिक सामूहिक कार्य – पी.डी. मिश्रा
2. समाजकार्य – सिंह एवं वर्मा
3. भारत में समाजकार्य का क्षेत्र – दुबे एवं पटेल
4. समाजकार्य – वाजपेयी
5. समाजिक अनुसंस्धान का तर्क एवं विधियां – लवाणिया एवं जैन
6. रिसर्च मैथोडोलॉजी – वीरेन्द्र कुमार शर्मा

P.Dixit

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – समाज कार्य (एम.एस.डब्ल्यू)

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – समाज कार्य शोध एवं सांख्यिकी

अधिकतम अंक – 100 5 क्रेडिट उत्तीर्णांक – 40
(आंतरिक मूल्यांकन – 30)
(बाह्य मूल्यांकन – 70)

आवश्यकता : समाजकार्य एक अनुशासन के रूप में नव विकसित विद्या है। इस विद्या को समझने के लिये सामाजिक शोध तथा सांख्यिकी को समझना अति आवश्यक है।

उद्देश्य :

1. सामाजिक शोध पद्धति को समझना।
2. सामाजिक शोध के क्षेत्रो तथा प्रकारों को समझना।
3. सामाजिक शोध के भारतीय रूप को समझना।
4. सामाजिक शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी को समझना।

इकाई प्रथम :

1. शोध का अर्थ, परिभाषा, शोध समस्या।
2. शोध के उद्देश्य, तथ्य एवं सिद्धांत।
3. वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति एवं सामाजिक प्रघटनाओं के अध्ययन में इसका प्रयोग।

इकाई द्वितीय :

1. भारतीय शोध के सिद्धांत।
2. पाश्चात्य शोध के सिद्धांत।
3. दोनो का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई तृतीय : शोध पद्धति – संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन (त्व्स), व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति, सांख्यिकीय पद्धति, प्रयोगात्मक पद्धति, ऐतिहासिक पद्धति।

इकाई चतुर्थ :

1. सामाजिक शोध की परिकल्पना (लिचवजीमेपे)
2. सामाजिक शोध के न्यादर्श (उचसपदह)
3. सामाजिक शोध के उपकरण (ज्वसे)
4. सामाजिक शोध के विश्लेषण (दंसलेपे)

इकाई पंचम :

P.Dixit

1. सामाजिक शोध पद्धति
2. सामाजिक शोध के क्षेत्रों तथा प्रकार
3. सामाजिक शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

महत्व : इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी समाजकार्य में प्रयुक्त सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी के विभिन्न रूप तथा क्षेत्र से परिचित हो सकेगें। साथ ही भारतीय एवं पाश्चात्य शोध के तुलनात्मक तरीको से परिचित हो सकेगें।

संदर्भ पुस्तकें :–

1. सा. अनुसंधान का तर्क एवं विधियां – लवाणिया एवं जैन
2. रिसर्च मैथोडोलॉजी – वीरेन्द्र कुमार शर्मा
3. अनुसंधान विधियां – डी.एन. श्रीवास्तव
4. शैक्षिण अनुसंधान – आर.ए. शर्मा
5. सा. अनुसंधान – बी.एन. गुप्ता
6. साख्यिकी सिद्धांत – सुखदेव एवं सहाय

P. Dixit